

7.11.2014

कबील प्रताप सिंह / पूर्व भाइयातुमार विना
3/12/2014 को पेश थे।

सहायक कलेक्टर
(उपखण्ड अधिकारी)
कपासन जिला-चित्तौड़गढ़

3/12/2014

कबील प्रताप सिंह / अत्राणी केष्वा 2 हाथ की
जोर-बोर मरदान लजारी गिरी लुप्ट की। कृतक
प्रतीपत्ति की जाती है। अत्राणी केष्वा 1 कय प म
पेश की। पक्षों बन्धु किया जाता है। महान
सम्पत्ति पर सुनी गई। संक्षिप्त में विवरण इस
प्रकार है कि योंदा खुसर की सारिक भाग 50438
से 544 तक व 546, 548, 552, 556 कृत गिता 11

कुल खसबा 21 बिघा 10 बिन्वा से गजेश, गोकल
पिता खुसर केसी का 12 एक बिन्वा एवं रेकार
था इन्त के कुल भाग 538 से 544 कुल
गिता 1 कुल खसबा 1-60 हेक्टर से तो गजेश, गोकल
पिता खुसर केसी 12 एवं दो ग्राम परन्तु दोष भाग
524, 525, 526, 534, 536 कुल गिता 5 कुल
खसबा 2-66 हेक्टर से कुल गोकल पिता खुसर
केसी के नाम पर एवं हो गये जिससे 14 बिन्वा गजेश
का था। अत्राणी गोकल के गारिमान से जो अत्राणी केष्वा
02 गली को कोटने हुए शेष से अपना 5/12 बिन्वा
अत्राणी केष्वा 01 को बँचान कर लिया। अतः अत्राणी
केष्वा 1 व 2 को मरदान निवेपण से पक्षों
कराने का निवेदन किया। इनने कबील प्रताप की

सहायक कलेक्टर
(उपखण्ड अधिकारी)
कपासन जिला-चित्तौड़गढ़

तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

बोर्ड पर भरोसा किया। पत्रावली का अकलमि
विषय। प्राचीन पत्र के कठिने तर्कों पर हल
बाह में अफस अनुभव लिए पाठक अनुभवपूर्ण
पर निर्णय होगा। परन्तु प्राचीन पत्र के सबसे अधिक
भाषणा, सुविधा अनुभव व अनुभवपूर्ण वृत्ति
प्रती के पर के लिए होने से हल पाए
202/2013 के निर्णय तक बोर्ड सुपर पठक
सुपर तहसील अपादन की आठम 524,
525, 526, 534, 536 हल विवा 05
हल रकमा 2-66 केवल में अत्रार्थ जेव्या
01 पञ्जाबाल पिता पञ्जरमल पाठ व अत्रार्थ जेव्या
02 डाकी पुत्री जेव्या के हल विवा तक रापत्र
जेव्या की अत्रार्थ जेव्या 1 व 2 जेव्या
जेव्या पत्रावली केवल अनुभव केवल जेव्या
अत्रार्थ जेव्या

सहायक कलेक्टर
(उपखण्ड अधिकारी)
कपासन जिला-बिठौरा